INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2022

RPSC

राजस्थान

2nd GRADE

वरिष्ठ अध्यापक (PAPER-1)

[भाग -1] राजस्थान भूगोल, इतिहास, संस्कृति, एवं राजव्यवस्था

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान का भूगोल

1. स्थिति एवं विस्तार
2. जलवायु
3. जल निकासी - (अपवाह तंत्र) नदियाँ एवं झीलें
4. राजस्थान की वनस्पति
5. कृषि
6. पशुधन
7. राजस्थान में डेयरी विकास
8. जनसंख्या वितरण, विकास, साक्षरता, और लिंगानुपात
9. जनजातियाँ
10. राजस्थान के प्रमुख उद्योग
11. प्रमुख पर्यटन केंद्र

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान का इतिहास

1. राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता
   - कालीबंगा
   - आहड़ सभ्यता

- गणेश्वर सभ्यता
- बैराठ सभ्यता

2. 8 वीं से 18 वीं शताब्दी तक राजस्थान का इतिहास

3. अजमेर के चौहान

4. दिल्ली सल्तनत के साथ संबंध (मेवाड़, रणथम्भौर और जालौर)

   - राणा सांगा
   - महाराणा प्रताप सिंह
   - राजसिंह
   - चन्द्रसेन
   - मानसिंह
   - महाराजा रायसिंह

5. राजस्थान में मुगल शासन (मुगल सम्राटों और उनकी राजपूत नीति)

6. राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

7. राजनैतिक जागरण

8. प्रजामंडल आंदोलन

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

९. किसान और आदिवासी आंदोलन

10.राजस्थान का एकीकरण

राजस्थान में मराठा शक्ति का विस्तार (एक्स्ट्रा टॉपिक)

राजस्थान की कला व संस्कृति

1. लोक देवता और लोक देवियाँ
2. राजस्थान के संत
3. वास्तुकला – मंदिर किले और महल
4. पेंटिंग्स – चित्रकला
5. मेले और त्यौहार
6. वस्त्र एवं आभूषण
7. लोक संगीत और लोक नृत्य
8. भाषा और साहित्य

राजस्थान की राजव्यवस्था

1. राज्यपाल

2. मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल की भूमिका और कार्य

- मंत्रीमंडल

3. राज्य सचिवालय और प्रमुख सचिव

4. राजस्थान लोक सेवा आयोग संगठन और भूमिका

5. राज्य मानवाधिकार आयोग संगठन और भूमिका

6. राजस्थान में पंचायती राज

(एक्स्ट्रा टॉपिक)

- उच्च न्यायालय
- राज्य महिला आयोग
- जिला प्रशासन एवं तहसील

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के "राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक) – 2022" के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ़्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8233195718, 9694804063, 8504091672) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 9887809083, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

अध्याय – 2

जलवायु

प्रिय पाठकों, इस अध्याय में हम राजस्थान की जलवायु के बारे में अध्ययन करेंगे

सबसे पहले हम समझते हैं कि जलवायु क्या होती है?

जलवायु –किसी स्थान पर दीर्घ काल की औसत वायुमंडलीय दशाओं को (तापमान, वायुदाब, आद्रता, वर्षा, वायु वेग) को जलवायु कहा जाता है । (समय लगभग 30 से 35 वर्ष)

मौसम –किसी स्थान पर अल्प समय की औसत वायुमंडलीय दशाओं को मौसम कहा जाता है जैसे कुछ घंटे या कुछ दिन ।

अतः निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण स्थानीय एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन हो रहे हैं, जैसे बाड़मेर में बाढ़, वर्षा की तीव्रता व आवृत्ति में परिवर्तन एवं अचानक वायु परिवर्तन हो रहे हैं अतः इन्हें रोकने के लिए क्रमबद्ध विकास पर्यावरण मित्र विकास एवं पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता है।

राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक -

प्रिय छात्रों अब हम यह समझेंगे कि राजस्थान की जलवायु के कौन - कौन से कारक है जो प्रभावित करते हैं अर्थात् किन की वजह से राजस्थान की जलवायु में परिवर्तन आता है?

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है, जिसके अलग - अलग स्थानों पर अलग - अलग प्रकार की विशेषताएं पाई जाती है जैसे कहीं पर्वत हैं तो कहीं पर पठार, कहीं मरुस्थल, कहीं मैदानी भाग इत्यादि यह सब राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करते हैं आइए जानते हैं कैसे -

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

1. अक्षांश एवं देशांतर स्थिति -

राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार 23 डिग्री 3 मिनट उत्तरी अक्षांश से 30 डिग्री 12 मिनट उत्तरी अक्षांश तक विस्तृत है इसी कारण राजस्थान के बाँसवाड़ा जिलें से नीचे का भाग कर्क रेखा के नीचे ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में एवं राजस्थान के ऊपर का भाग उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में आता है ग्रीष्म काल के समय सूर्य की किरणें बाँसवाड़ा जिलें में लगभग सीधा एवं गंगानगर जिलें में सर्वाधिक तिरछी होती है राजस्थान में ऊष्ण एवं उपऊष्ण कटिबंधीय जलवायु पाई जाती है जिसकी वजह से यहां पर मौसम में बदलाव देखने को मिलता है ।

2. समुद्र तल से दूरी -

राजस्थान की समुद्रतल से दूरी अधिक होने के कारण यहां शुष्क जलवायु पाई जाती है राजस्थान की अरब सागर से दूरी 400 किलों मीटर एवं कच्छ की खाड़ी से 225 किलों मीटर एवं खंभात की खाड़ी से लगभग 275 किलों मीटर है, अर्थात् राजस्थान एवं पश्चिमी बंगाल दोनों समान अक्षांशीय स्थिति पर स्थित होते हुए भी समुद्र के तट के कारण पश्चिम बंगाल में ऊष्ण आर्द्र जलवायु एवं राजस्थान में शुष्क जलवायु पाई जाती है ।

3. अरावली पर्वतमाला की स्थिति -

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला मध्यवर्ती भाग में स्थित है जिसके पश्चिम में मरुस्थल एवं दक्षिण - पूर्व में पठारी भाग स्थित है अर्थात् अरावली पर्वतमाला मानसून के समांतर होने के.................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को

FREE SAMPLE

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

जलवायु से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-

- राजस्थान का सबसे गर्म जिला चूरू है।
- राजस्थान में सबसे गर्म स्थान जोधपुर जिलें में स्थित फलोदी नामक स्थान है।
- राजस्थान का गर्मियों में सबसे ठंडा स्थान सिरोही जिलें में स्थित माउंट आबू है इसलिए माउंट आबू को राजस्थान का शिमला कहा जाता है ।
- राजस्थान का गर्मियों में सर्वाधिक तापमान दैनिक तापान्तर वाला जिला जैसलमेर है राजस्थान में गर्मियों में सर्वाधिक धूल भरी आंधियां श्रीगंगानगर जिलें में चलती है ।
- राजस्थान में विशेष कर पश्चिमी रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवाओं कोलू कहा जाता है, राजस्थान में गर्मियों में स्थानीय चक्रवात के कारण जो धूल भरे बवंडर बनते हैं, उन्हें भभूल्या कहा जाता है ।
- गर्मियों में राजस्थान में दक्षिण भागों में अरब सागर ये चक्रवात के कारण तेज हवाओं के साथ चक्रवाती वर्षा होती है ।
- राजस्थान में मानसून की शाखा सर्वप्रथम दक्षिण पश्चिम में प्रवेश करती है, अरावली के मानसून के समांतर होने के कारण राजस्थान में कम एवं अनियमित वर्षा होती है।
- राजस्थान का सबसे आर्द्र जिला झालावाड़ है जबकि राजस्थान का सबसे आर्द्रस्थल सिरोही जिलें में स्थित माउंट आबू है।
- राजस्थान का सबसे शुष्क जिला जैसलमेर है।
- राजस्थान में वार्षिक वर्षा में विषमता का प्रतिशत सर्वाधिक जैसलमेर में एवं बाड़मेर में होता है। राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा मानसून की दक्षिण पश्चिमी शाखा से होती है राजस्थान में सितंबर तथा अक्टूबर में लौटते मानसून से भी वर्षा होती है।
- पृथ्वी के परिक्रमण काल में 22 दिसंबर को सूर्य की किरणें मकर रेखा पर लम्बत गिरती हैं, इस के कारण पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्ध में दिन बड़ा, रात छोटी एवं ग्रीष्म ऋतु होती है तथा उत्तरी गोलार्ध में दिन छोटा तथा रात बड़ी होती है।

- श्री गंगा नगर राजस्थान का सबसे उत्तर में स्थित जिला है इसलिए 22 दिसंबर को श्रीगंगानगर में सूर्य की किरणें सर्वाधिक तिरछी पड़ती है सर्दियों में राजस्थान का सबसे ठंडा जिला चूरू है।
- सर्दियों में सिरोही जिलें के माउंट आबू का तापमान हिमांक बिंदु से नीचे चला जाता है।
- राजस्थान में भूमध्य सागरीय पश्चिमी विक्षोभ के कारण जो वर्षा होती है उसे राजस्थान में मावठ के नाम से जानते हैं।
- राजस्थान के दक्षिण पश्चिम, दक्षिण तथा दक्षिण पूर्वी भागों में सर्दियों में प्रातः काल में तापमान की कमी के कारण "पाला" पड़ता ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672,9887809083, 9694804063,

अध्याय – 6

पशुधन

पशुपालन

राजस्थान में 20 वीं पशुगणना

- 20 वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में कुल पशुधन 5.68 मिलियन (5.68 करोड़) है। जो कि 2012 की 5.77 लाख (5.77 करोड़) था। इस प्रकार 2019 में कुल पशुओं की संख्या में 1.66 प्रतिशत की कमी देखी गई है।
- राजस्थान 568 लाख पशुओं के साथ भारत में दूसरे स्थान पर है। पहला स्थान उत्तर प्रदेश का है।
- राजस्थान गोवंश के मामले में 2012 के 133 लाख की तुलना में 2019 में 139 लाख पशुओं के साथ छठे स्थान पर है। गोवंश में 4.41% की वृद्धि हुई है।
- राजस्थान भैंसों के मामले में 2012 के 1.30 लाख की तुलना में 2019 में 1.37 लाख पशुओं के साथ दूसरे स्थान पर है। भैंसों में 5.53% की वृद्धि हुई है।
- राजस्थान भेड़ की संख्या के मामले में 2012 के 9.1 मिलियन की तुलना में 2019 में 79 लाख पशुओं के साथ चौथे स्थान पर है। भेड़ में 5% की कमी हुई है।
- राजस्थान बकरी के मामले में 2012 के 216.7 लाख की तुलना में 2019 में 208.4 लाख पशुओं के साथ पहले स्थान पर है। बकरियों की संख्या में 3.81% की कमी हुई है।
- राजस्थान ऊंट के मामले में 2012 के 3.26 लाख की तुलना में 2019 में 213 लाख पशुओं के साथ पहले स्थान पर है। ऊंटों की संख्या में 34.69% की कमी हुई है।
- राजस्थान घोड़ों के मामले में 2012 के 38 लाख की तुलना में 2019 में 34 लाख पशुओं के साथ तीसरे स्थान पर है। घोड़ों की संख्या में 10.85% की कमी हुई है।
- राजस्थान गधों के मामले में 2012 के 81 लाख की तुलना में 2019 में 23 लाख पशुओं के साथ पहले स्थान पर है। गधों में 71.31% की कमी हुई है।

पशु	कुल संख्या (लाख)	अधिकतम	न्यूनतम
बकरी	208.4	बाड़मेर	धौलपुर
गाय	139	उदयपुर	धौलपुर
भैंस	137	जयपुर	जैसलमेर
भेड़	79	बाड़मेर	बांसवाड़ा
उंट	21.3	जैसलमेर	प्रतापगढ़
गधे	23	बाड़मेर	टोंक
घोड़े	34	बीकानेर	डूंगरपूर

राजस्थान में गाय की विभिन्न नस्लें

1. **गिर** – यह अजमेर भीलवाड़ा किशनगढ़ चित्तौड़गढ़ बूंदी आदि में पाई जाती है। मूल स्थान गुजरात है ।इसका अन्य नाम अजमेरी अथवा रेहना भी है ।यह अधिक दुध देने के लिए प्रसिद्ध है।

2. **थारपारकर-** यह जैसलमेर जोधपुर बाड़मेर में सांचौर में पाई जाती है। इसका मूल स्थान मालानी गांव जैसलमेर है।

3. **नागौरी-** यह नागौर जोधपुर बीकानेर नोखा आदि में पाई जाती है। इसका मूल स्थान नागौर जिलें का सुहालक प्रदेश है। नागौरी बैल जोड़ने हेतु प्रसिद्ध है।

राठी- यह बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, व चूरू आदि में पाई जाती है । यह लाल सिंधी..................

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718,9694804063, 9887809083, 8504091672,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम :

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

FREE SAMPLE

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

विदेशी नस्लें

1. **जर्सी गाय** – यह नस्ल मूलतः अमेरिकी है । यह सर्वाधिक दुध देने हेतु प्रसिद्ध है।

2. **होलिस्टिन गाय** – होलिस्टिन गाय का मूल स्थान होलैंड व अमेरिका है। यह भी अधिक दुध देती है।

3. **रेड डेन गाय** – रेड डेन का मूल स्थान डेनमार्क है

भैंसों की नस्लें

1. **मुर्रा** – राजस्थान में सर्वाधिक संख्या वाली...................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672,9887809083, 9694804063,

बकरी-

राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है। नागौर जिलें का वरुण गांव बकरियों के लिए प्रसिद्ध है। **सर्वाधिक बकरियां बाड़मेर जोधपुर में** जबकि **न्यूनतम बकरियां धौलपुर में** पाई जाती हैं।

बकरी की नस्लें

1. **मारवाड़ी या लोही बकरी** – राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों जैसे जोधपुर, पाली, नागौर, बीकानेर, जालौर, जैसलमेर, बाड़मेर, आदि में पाई जाती है । इसके शरीर से प्राप्त होने वाले बाल गलीचे बनाने के काम आते हैं।
2. **जखराना या अलवरी-** मूल स्थान बहरोड़ (झखराना गांव)अलवर । यह अधिक दुध देने के लिए प्रसिद्ध है।

बारबरी- यह बाँसवाड़ा, धौलपुर, भरतपुर, अलवर, करौली, सवाईमाधोपुर, में पाई जाती है । अधिक दुध देने के लिए...............

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 7

राजस्थान में डेयरी विकास

डेयरी सहकारिता एवं डेयरी विकास Dairy development in Rajasthan

- राजस्थान के पशुपालकों को दुग्ध का उचित मूल्य दिलाने एवं उपभोक्ताओं द्वारा शुद्ध व स्वास्थ्यवर्धक दुग्ध उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डेयरी सहकारिता की त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू है।

राजस्थान की डेयरी विकास कार्यक्रम गुजरात की आनंद सहकारी डेयरी संघ की अमूल्य पद्धति के आधार पर क्रियान्वयन किए जा रहे हैं, जिसका त्रिस्तरीय संस्थागत ढांचा निम्न है -

(i) शीर्ष स्तर- राजस्थान राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन

- मुख्यालय - जयपुर
- स्थापना 1977
- उद्देश्य- राज्य में दुग्ध विकास कार्यक्रमों का संचालन करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर शुद्ध व स्वास्थ्यवर्धक दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराना एवं पशुपालकों को दुग्ध का उचित मूल्य दिलाना।

(ii) जिला स्तर - जिला दुग्ध उत्पादक संघ

- उद्देश्य -प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से दूध संकलन एवं दुग्ध उत्पादों का विपणन करना।
- RCDF से संबंध 21 जिला दुग्ध उत्पादक संघ कार्यरत हैं।

(iii) प्राथमिक स्तर - प्राथमिक सहकारी दुग्ध उत्पादक समितियाँ

ये समितियाँ दुग्ध उत्पादकों से दूध एकत्रित करके जिला दुग्ध उत्पादक संघ को उपलब्ध करवाने का कार्य करती है ऐसी 11095 समितियां राज्य में कार्यरत हैं।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

RCDF के अंतर्गत कार्यरत संस्थाएं एवं केंद्र

दुग्ध उत्पादक संयंत्र - 17

दूध अवशीतन केंद्र - 17

- दूध पाउडर उत्पादक संयंत्र - 6 (रानीवाड़ा, अजमेर, अलवर, जयपुर, हनुमानगढ़, बीकानेर)
- पशु आहार केंद्र - 4 लालगढ़ (बीकानेर), नदबई (भरतपुर), तबीजी (अजमेर) एवं जोधपुर
- बीज उत्पादक फार्म- रोजड़ी, पाल एवं बस्सी ।

- टैट्रापैक दूध संयंत्र - जयपुर
- यूरिया मोलासिस ब्रिक प्लांट- 2 (अजमेर व जोधपुर)
- फ्रोजन सीमन बैंक बस्सी (जयपुर), ISO मानक प्राप्त प्रयोगशाला उत्पादन जहां पर कृत्रिम गर्भाधान हेतु देशी व विदेशी नस्ल के सांडों से हिमीकृत वीर्य संचित रहता है।

डेयरी से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाएं

जनश्री बीमा योजना - राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन की प्रदेश के दुग्ध उत्पादों की सामाजिक सुरक्षा एवं उनके बच्चों को ....

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इ
समें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **“राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022”** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए

नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 9

जनजातियाँ

राजस्थान की जनजातियाँ

सहरिया :

- राजस्थान की एकमात्र आदिम जनजाति (भारत सरकार द्वारा घोषित)।
- बारां जिलें के किशनगंज एव शाहबाद जिलों में सर्वाधिक संख्या।
- **सहरियों का मुखिया** : कोतवाला
- बडें गांव को 'सहराना' कहा जाता है।
- छोटो बस्ती को 'सहरोल' कहा जाता है।
- गाँव के बीच में स्थित सामुदायिक केन्द्र दालिया/हथाई कहलाता है।
- सहरियों की पंचायती व्यवस्था त्रि-स्तरीय होती है /
- **पंचताई** : पाँच गाँवों की पंचायती।
- **एकदसिया** : ।। गाँवों की पंचायती।
- **चौरासिया** : ८४ गाँवों की पंचायती।
- चौरासी गाँवों की सभा सीताबाडो के वाल्मिकि मंदिर में होती है।
- सहरिया 'वाल्मिकि' को अपना आदि पुरूष मानते है।
- सहरियों की कुलदेवी कोडिया माता।
- तेजाजी एवं भैरव की भी पूजा करते हैं ।
- दीपावली पर 'हीड़' गाते है।
- होली के अवसर पर लट्ठमार होली खेलते है। राई नृत्य किया जाता है।
- मकर संक्रान्ति के अवसर पर लकड़ी के डण्डो से लेंगी खेला जाता है।
- वर्षा ऋतु में आला एवं लहंगी गीत गाया जाता है।
- **कपिलधारा का मेला** : कार्तिक पूर्णिमा
- **सीताबाड़ी का मेला** : ज्येष्ठ पूर्णिमा। इसे 'सहरियों का कुम्भ' भी कहते है।
- सहरिया महिलाएँ गोदना गुदवाती है परंतु पुरूषों का

मनाही है।

- ***धारी संस्कार*** : मृतक के तीसरे दिन उसकी अस्थियों एवं राख को एक बर्तन से ढककर छोड़ दिया जाता है, अगले दिन उस जगह वैसी ही आकृति बनी होती है, यह समझा जाता है कि व्यक्ति का अगला जन्म उसी आकृति के अनुसार होगा।
- सहरिया पेड़ों पर घर बनाकर रहते हैं। उसे 'गोपना' कहते हैं ।
- अनाज एवं घरेलू सामान रखने की छोटी कोठी : कुसिली।
- अनाज व घरेलू सामान रखने की बड़ी कोठी : भडली।

अर्थव्यवस्था : सहरिया लोगों को जहाँ संमतल भूमि मिल जाती है पर कृषि एवं पशुपालन करते हैं। कृषि कार्यों में 45 प्रतिशत, कृषक मजदूरी 35 प्रतिशत कार्यों में संलग्न व शेष वनों से लकड़ी व वन उपज एकत्रित करना, खनन कार्य करना। इस जाति में शिक्षा का अत्यंत अभाव है। अब शिक्षा का विकास हो रहा है। सहरिया क्षेत्र में मामूनी की. संकल्प संस्था , अच्छा कार्य कर रही है ।

कंजर :-

- मुख्यतया हाड़ौती क्षेत्र में।
- मुख्य व्यवसाय : चोरी करना।
- चोरी करने से पूर्व देवता से आशीर्वाद मांगते है, जिसे ये 'पातो मांगना' कहते है।
- जोगणिया माता (चितौड़गढ़) : कंजरों की कुलदेवी।
- चौथ माता (चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर)
- रक्त दंजी माता : बूंदी।
- हनुमान जी : आराध्य देव।
- हाकम राजा का प्याला पीने के बाद झूठ नहीं बोलते है।
- मरणासन्न व्यक्ति के मुँह में शराब डाली जाती है।

- शव को दफनाते हैं।
- इनके मुखिया को 'पटेल' कहते हैं।
- मोर का मांस खाते हैं।
- इनके घरों में पीछे की तरफ खिड़की अनिवार्य होती है।
- महिलाएँ चकरी नृत्य करती है। नृत्य करते समय विशेष प्रकार का पायजामा पहनते है, जिसे 'खूसनी' कहते हैं।

अर्थव्यवस्था –

कुछ लोग ठेला , टेम्पू चलाते हैं । ईश्वर का आशीर्वाद भी प्राप्त करते हैं । इसे पाती मांगना कहते है ।

कथौड़ी :-

- उदयपुर जिलें में अधिक संख्या में।

मूल रूप से महाराष्ट्र के ....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

अध्याय – 12

प्रमुख पर्यटन केंद्र

- **राजस्थान के पर्यटन स्थल**

राजस्थान के संग्रहालय

एल्बर्ट हॉल म्यूजियम

जयपुर के रामनिवास बाग में स्थित।

निर्माण:- 1876 ई. में जयपुर शासक सवाई रामसिंह द्वितीय के समय

शुरुआत :- 1876 ई. में प्रिन्स एल्बर्ट द्वारा ।।

लागत: 4 लाख रुपये।

डिजाइनकर्ता:- सर सैम्यूल स्विंटन जैकब

- भारतीय एवं फारसी (मुगल) शैली में निर्मित।
- राजस्थान का प्रथम एवं सबसे बड़ा संग्रहालय ।
- इस संग्रहालय को सन् 1887 में सर एड्वर्ड बेड़फोर्ड द्वारा विधिवत उद्घाटन कर जनता के लिए खोल दिया गया।
- इस संग्रहालय में मिस्र की प्राचीनकालीन ममी रखी हुई है। यह ममी जयपुर में पैनोपोलिस (मिस्र) से लाई गई थी। यह ममी 'तूतू नामक महिला की ममी है जो खेम नामक देव के उपासक पुरोहितों के परिवार की सदस्या थी।
- इस संग्रहालय में ईरान के शाह द्वारा मिर्जा राजा जयसिंह को भेंट किया गया दुनिया का अप्रतिम बहुमूल्य गलीचा रखा हुआ है।
- एल्बर्ट हॉल देश की एकमात्र ऐसी इमारत है जिसमें कई देशों की स्थापत्य शैली देखने को मिलती है।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

- इस संग्रहालय में सन् 1506 से 1922 तक के जयपुर के राजाओं के चित्र एवं राज्य चिह्न रखे हुए हैं। • इस संग्रहालय में कई पुराने चित्र, दरियां, हाथीदाँत, कीमती पत्थर, धातु मूर्तियाँ एवं रंग-बिरंगी वस्तुएँ भी रखी हुई हैं।
- वर्ष 2018 में राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री का शपथ समारोह एल्बर्ट हॉल में आयोजित किया गया।
- राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग
- वर्ष 1950 में जयपुर में स्थापित।
- यह विभाग प्रदेश में बिखरी हुई पुरा सम्पदा, सांस्कृतिक धरोहर की खोज, सर्वेक्षण तथा प्रचार-प्रसार का कार्य करता है।
- इस विभाग द्वारा राजस्थान में 320 से ज्यादा स्मारक एवं पुरास्थल संरक्षित घोषित किए जा चुके हैं।
- यह विभाग द रिसर्चर' नामक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अरबी फारसी शोध संस्थान

- सन् 1978 में टॉक में स्थापित
- इस संस्थान में टोंक के नवाबों द्वारा संग्रहित हस्तलिखित ग्रंथों, दस्तावेजों, भाषा साहित्य तथा शासकीय रिकॉर्ड में पाए गए उर्दू, फारसी पुस्तकें एवं दस्तावेज संग्रहित हैं। ।
- इस संस्थान में औरंगजेब की लिखी आलमगीरी कुरान' तथा शाहजहाँ द्वारा लिखवाई गई 'कुराने 'कमाल' नामक दुर्लभ पुस्तकें संग्रहित हैं।
- वर्ष 1987 में अरबी फारसी शोध संस्थान का नाम बदलकर 'मौलाना अबुल कलाम अरबी फारसी शोध संस्थान' रखा गया।

राजस्थान राज्य अभिलेखागार

- इतिहास की लिखित सामग्री को सुरक्षित करने के उद्देश्य से राजस्थान में वर्ष 1955 में जयपुर में राजस्थान राज्य अभिलेखागार की स्थापना की गई.

- वर्ष 1960 में राजस्थान राज्य अभिलेखागार का मुख्यालय जयपुर से बीकानेर स्थानान्तरित कर दिया गया।

शाखाएँ : :- भरतपुर, जयपुर, कोटा, उदयपुर, अलवर एवं अजमेर में हैं।

- इन अभिलेखागारों में ऐतिहासिक, प्रशासनिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक दृष्टि से उपयोगी एवं दुर्लभ सामग्री संग्रहित है।

  इस अभिलेखागार में कोटा रियासत का 300 वर्ष पुराना अभिलेख संरक्षित है। यह अभिलेख राजस्थान की सबसे कठिन मानी जाने ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE

राजस्थान का इतिहास

अध्याय – 1

राजस्थान की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता

कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बैराठ

1. कालीबंगा की सभ्यता -

प्रिय छात्रों किसी भी सभ्यता का विकास किसी नदी के किनारे होता है क्योंकि जल ही जीवन है। जल की आवश्यकता खेती के लिए और अन्य उपयोगों के लिए की पड़ती है। इसलिए कालीबंगा की सभ्यता एक नदी किनारे बसी हुई थी नदी का नाम है – सरस्वती नदी। इसे , द्वेषनदी, मृतनदी, नटनदी के नाम से भी जानते हैं।

यह सभ्यता हनुमानगढ़ जिलें में विकसित हुई थी। हनुमानगढ़ जिलें में एक अन्य सभ्यता जिसे पीलीबंगा की सभ्यता कहते हैं विकसित हुई।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

इस सभ्यता की खोज : -

इस सभ्यता की सबसे पहले जानकारी देने वाले एक पुरातत्ववेत्ता एवं भाषा शास्त्री लुईसपीतैंसीतौरी थे। इन्होंने इस सभ्यता के बारे में सबसे पहले परिचय दिया लेकिन इस सभ्यता की तरफ किसी का पूर्णरूप सेध्या न नहीं था इसलिए इसकी खोजन हीं हो पाई।

इस सभ्यता के खोजकर्ता अमलानंद घोष............................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 9887809083, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैंनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk8S6W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैंनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 8504091672, 9887809083

क्र.स.	संस्कृति काल	स्थल
1.	पुरा पाषाण काल	डीडवाना एवं जायल (नागौर), भानगढ़ (अलवर), विराटनगर (जयपुर), दर (भरतपुर), इन्द्रगढ़ (कोटा)
2.	मध्य पाषाण काल	बागौर (भीलवाड़ा), विराटनगर (जयपुर), तिलवाड़ा (बाड़मेर)
3.	नव पाषाण काल	आहड़ (उदयपुर), कालीबंगा (हनुमानगढ़), गिलुंड (राजसमंद), झर (जयपुर)
4.	ताम्र पाषाण काल	बागौर (भीलवाड़ा), तिलवाड़ा (बाड़मेर), बालाथल (उदयपुर)
5.	ताम्रयुगीन	गणेश्वर (सीकर), साबणियां, पूंगल (बीकानेर), बूढ़ापुष्कर (अजमेर), बेणेश्वर (डूंगरपुर), नन्दलालपुरा, किराड़ोत, चीथबाड़ी (जयपुर), कुराड़ा (परबतसर), पलाना (जालौर), मलाह(भरतपुर), कोलमाहौली (सवाईमाधोपुर)
6.	लौहयुगीन	नोह (भरतपुर), सुनारी (झुंझुनूं), विराटनगर, जोधपुरा, सांभर (जयपुर), रैढ़, नगर, नैणवा, भीनमाल (जालौर), नगरी (चित्तौड़गढ़), चक-84, तरखानवाला (गंगानगर), ईसवाल(उदयपुर)

क्र.स.	संस्कृति काल	स्थल
7.	पुरा पाषाण काल	डीडवाना एवं जायल (नागौर), भानगढ़ (अलवर), विराटनगर (जयपुर), दर (भरतपुर), इन्द्रगढ़ (कोटा)
8.	मध्य पाषाण काल	बागौर (भीलवाड़ा), विराटनगर (जयपुर), तिलवाड़ा (बाड़मेर)

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

राजस्थान के वंश

परमार का शाब्दिक अर्थ शत्रु को मारने वाला होता है। प्रारम्भ में परमारों का शासन आबू के आस-पास के क्षेत्रों तक ही सीमित था। प्रतिहारों की शक्ति के ह्रास के उपरान्त परमारों की राजनीतिक शक्ति में वृद्धि हुई।

राजस्थान के परमार वंश

आबू के परमार :- आबू के परमार वंश का संस्थापक 'धूमराज' था, लेकिन इनकी वंशावली उत्पलराज से प्रारम्भ होती है। पड़ोसी होने के कारण आबू के परमारों का गुजरात के शासकों से सतत् संघर्ष चलता रहा। गुजरात के शासक मूलराज सोलंकी से पराजित होने के कारण आबू के शासक धरणीवराह को राष्ट्रकूट धवल का शरणागत होना पड़ा। लेकिन कुछ समय बाद धरणीवराह ने आबू पर पुनः अधिकार कर लिया। उसके बाद महिपाल का 1002 ई. में आबू पर अधिकार प्रमाणित होता है। इस समय तक परमारों ने गुजरात के सोलंकियों की अधीनता स्वीकार कर ली। महिपाल के पुत्र धंधुक ने सोलंकियों की अधीनता से मुक्त होने का प्रयास किया। फलतः आबू पर सोलंकी शासक भीमदेव ने आक्रमण किया। धंधुक आबू छोड़कर धार के शासक भोज के पास चला गया। भीमदेव ने विमलशाह को आबू का प्रशासक नियुक्त किया। विमलशाह ने भीमदेव व धंधुक के मध्य पुनः मेल करवा दिया। उसने 1031 ई. में आबू में 'आदिनाथ' के भव्य मंदिर का भी निर्माण करवाया। धंधुक की विधवा पुत्री ने बसन्तगढ़ में सूर्यमंदिर का निर्माण करवाया व सरस्वती बावड़ी का जीर्णोद्धार करवाया।

कृष्णदेव के शासनकाल :- कृष्णदेव के शासनकाल में 1060 ई. में परमारों और सोलंकियों के सम्बन्ध पुनः बिगड़ गए, लेकिन नाड़ौल के चौहान शासक बालाप्रसाद ने इनमें पुनः मित्रता करवाई। कृष्णदेव के पौत्र विक्रमदेव ने महामण्डलेश्वर की उपाधि धारण की। विक्रमदेव का प्रपौत्र धारावर्ष (1163-1219 ई.) आबू के परमारों का शक्तिशाली शासक

था। इसने मोहम्मद गौरी के विरुद्ध युद्ध में गुजरात की सेना का सेनापतित्व किया। वह गुजरात के चार सोलंकी शासकों कुमारपाल, अजयपाल, मूलराज व भीमदेव द्वितीय का समकालीन था। उसने सोलंकियों की अधीनता का जुआ उतार..................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718,9694804063, 8504091672, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)

SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 8504091672,9887809083, 9694804063,

अध्याय – 5

राजस्थान में मुगल शासन

बाबरः-

बाबर की राजपूतों के प्रति कोई सुनियोजित नीति नहीं थी। उसे मेवाड़ के राणा साँगा और चंदेरी के मेदिनी राय के खिलाफ लड़ना पड़ा क्योंकि भारत में अपने साम्राज्य की स्थापना और सुरक्षा के लिए यह आवश्यक था। दोनों अवसरों पर, उन्होनें अपनी सफलता के बाद जिहाद की घोषणा की और राजपूतों के सिर की मीनारों को उठाया। लेकिन उन्होनें एक राजपूत राजकुमारी के साथ हुमायूँ से शादी की और राजपूतों को सेना में नियुक्त किया। इस प्रकार, उन्होनें न तो राजपूतों से दोस्ती करने की कोशिश की और न ही उन्हें अपना स्थायी दुश्मन माना।

हुमायूंः-

हुमायूँ ने राजपूतों के बारे में अपने पिता की नीति को जारी रखा। हालाँकि, उसने मेवाड़ के राजपूतों से दोस्ती करने का एक अच्छा अवसर खो दिया। उन्होनें मेवाड़ को गुजरात के बहादुर शाह के खिलाफ भी मदद नहीं की, जब मेवाड़ की रानी कर्णावती ने उनकी बहन बनने की पेशकश की थी। वह शेरशाह के खिलाफ मारवाड़ के मालदेव का समर्थन पाने में भी असफल रहा।

शेर शाहः-

शेरशाह अपनी राजसत्ता के अधीन राजपूत शासकों को लाना चाहता था। 1544 ई. में उसने मारवाड़ पर हमला किया और उसके बड़े हिस्से पर कब्जा करने में सफल रहा। रणथंभौर पर भी उसका कब्जा हो गया, जबकि मेवाड़ और जयपुर के शासकों ने बिना लड़े उसकी आत्महत्या स्वीकार कर ली।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

उसने अपनी मृत्यु से ठीक पहले कालिंजर पर भी कब्जा कर लिया। इस प्रकार, वह अपने उद्देश्य में सफल रहा। उनकी सफलता का एक प्राथमिक कारण यह था कि उन्होनें राजपूत शासकों के राज्य को गिराने की कोशिश नहीं की। जिन्होंने उसकी आत्महत्या स्वीकार की, वे अपने राज्यों के स्वामी रह गए।

अकबर :-

अकबर पहला मुगुल सम्राट था जिसने राजपूतों के प्रति एक सुनियोजित नीति अपनाई.। उनकी राजपूत नीति के निर्माण में विभिन्न कारकों ने भाग लिया। अकबर एक साम्राज्यवादी था। वह अपने शासन को यथासंभव भारत के क्षेत्र में लाना चाहता था।

- इसलिए, राजपूत शासकों को उसकी अधीनता में लाना आवश्यक था। अकबर राजपूतों की शिष्टता, आस्था, मर्यादा, युद्ध कौशल आदि से प्रभावित था। उसने उन्हें अपने दुश्मन के रूप में बदलने के बजाय उनसे दोस्ती करना पसंद किया।
- वह विदेशियों पर निर्भर रहने के बजाय भारतीय लोगों के बीच से भरोसेमंद सहयोगी चाहते थे। अफगानों और उनके रिश्तेदारों के विद्रोह, मिर्जों ने अपने शासन के शुरुआती दौर में, उन्हें इस आवश्यकता के बारे में आश्वस्त किया। इसलिए, राजपूत उनकी अच्छी पसंद बन गए। अकबर की उदार धार्मिक नीति ने भी उनसे मित्रता करने का निर्देश दिया।
- अकबर ने राजपूतों से दोस्ती करने की कोशिश की, लेकिन साथ ही उन्हें अपनी अधीनता में लाने की इच्छा भी की।
- हम राजपूत शासकों के बारे में निम्नलिखित तीन सिद्धांत पाते हैं:-

(क) उसने राजपूतों के मजबूत किलों पर कब्जा कर लिया जैसे कि चित्तौड़, मेड़ता, रणथंभौर, कालिंजर आदि के किले। इसने राजपूतों की शक्ति को कमजोर कर दिया ताकि वे प्रतिरोध की पेशकश कर सकें।

(ख) उन राजपूत शासकों ने या तो अपनी संप्रभुता स्वीकार कर ली या उनके साथ वैवाहिक संबंधों में प्रवेश किया जो स्वेच्छा से अपने राज्यों के स्वामी थे। उन्हें राज्य में उच्च पद दिए...............

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

राजस्थान की कला व संस्कृति

अध्याय - 1

लोक देवता और लोक देवियाँ

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता और देवियाँ निम्नलिखित है -

राजस्थान के लोक देवता

"नोट- राजस्थान के ग्रामीण अंचलों में चबूतरेनूमा बने हुए लोकदेवताओं के पूजा स्थल 'देवरे' कहलाते हैं तो अलौकिक शक्ति द्वारा किसी कार्य को करना अथवा करवा देना "पर्चा देना" कहलाता है।"

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता निम्नलिखित है -

मारवाड़ के पंच पीर - (1) गोगाजी (2) पाबूजी (3) हड़बूजी (4) रामदेव जी (5) मेहा जी।

पाबू, हड़बू, रामदे, मांगलिया मेहा।

पाँचों पीर पधारजो गोगाजी गेहा।।

(1) गोगाजी चौहान

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता गोगाजी राठौर का वर्णन-

पंच पीरों में सर्वाधिक प्रमुख स्थान।

जन्म - संवत् 1003 में, जन्म स्थान - ददरेवा (चूरू)।

पिता - जेवरजी चौहान, माता - बाछल दे, पत्नी - कोलुमण्ड (फलौदी, जोधपुर) की राजकुमारी केलमदे (मेनलदे)।

- केलमदे की मृत्यु साँप के कांटने से हुईजिससे क्रोधित होकर गोगाजी ने अग्नि अनुष्ठान किया। जिसमें कई साँप जलकर भस्म हो गये फिर साँपों के मुखिया ने आकर उनके

अनुष्ठान को रोककर केलमदे को जीवित करते हैं। तभी से गोगाजी नागों के देवता के रूप में पूजे जाते हैं।

- गोगाजी का अपने मौसेरे भाई.यों अर्जन व सुर्जन के साथ जमीन जायदाद को लेकर झगड़ा था। अर्जन - सुर्जन ने मुस्लिम आक्रान्ताओं (महमूद गजनवी) की मदद से गोगाजी पर आक्रमण कर दिया। गोगाजी वीरतापूर्वक लड़कर शहीद हुए।
- युद्ध करते समय गोगाजी का सिर ददरेवा (चूरू) में गिरा इसलिए इसे शीर्षमेडी (शीषमेडी) तथा धड़ नोहर (हनुमानगढ़) में गिरा इसलिए इसे धड़मेड़ी/धुरमेड़ी/गोगामेड़ी भी कहते हैं।
- बिना सिर के ही गोगाजी को युद्ध करते हुए देखकर महमूद गजनवी ने गोगाजी को जाहिर पीर (प्रत्यक्ष पीर) कहा।
- उत्तर प्रदेश में गोगाजी को जहर उतारने के कारण जहर पीर/जाहर पीर भी कहते हैं।
- गोगामेड़ी का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया। गोगामेड़ी के मुख्य द्वार पर बिस्मिल्लाह लिखा है तथा इसकी आकृति मकबरेनुमा है। गोगामेड़ी का वर्तमान स्वरूप बीकानेर के महाराजा गंगासिंह की देन है। प्रतिवर्ष गोगानवमी (भाद्रपद कृष्णा नवमी) को गोगाजी की याद में गोगामेड़ी, हनुमानगढ़ में भव्य मेला भरता है।
- गोगाजी की आराधना में श्रद्धालु सांकल नृत्य करते हैं।
- गोगामेड़ी में एक हिन्दू व एक मुस्लिम पुजारी है।
- प्रतीक चिह्न - सर्प।
- खेजड़ी के वृक्ष के नीचे गोगाजी का निवास स्थान माना जाता है।
- गोगाजी की ध्वजा सबसे बड़ी ध्वजा मानी जाती है।
- 'गोगाजी की ओल्डी' नाम से प्रसिद्ध गोगाजी का अन्य पूजा स्थल - साँचौर (जालौर)।
- गोगाजी से सम्बन्धित वाद्य यंत्र - डेरू।
- किसान वर्षा के बाद खेत जोतने से पहले हल व बैल को गोगाजी के नाम की राखी गोगा राखड़ी बांधते हैं।
- सवारी - नीली घोड़ी।
- गोगा बाप्पा नाम से भी प्रसिद्ध है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(2) पाबूजी राठौड़ -

राजस्थान के प्रमुख लोक देवता पाबूजी राठौर का वर्णन-

जन्म - 1239 ई.में, जन्म स्थान - कोलुमण्ड गाँव (फलौदी, जोधपुर)।

पिता - धाँधल जी राठौड़, माता - कमलादे, पत्नी - फूलमदे्ध्सुपियार दे सोढ़ी।

- फूलमदे अमरकोट के राजा सूरजमल सोढ़ा की पुत्री थी।
- पाबूजी की घोड़ी- केसर कालमी (यह काले रंग की घोड़ी उन्हें देवल चारणी ने दी, जो जायल, नागौर के काछेला चारण की पत्नी थी)।
- सन् 1276 ई.में जोधपुर के देचू गाँव में देवलचारणी की गायों को जींदराव खींची से छुड़ाते हुए पाबूजी वीर गति को प्राप्त हुए, पाबूजी की पत्नी उनके वस्त्रों के साथ सती हुई। इस युद्ध में पाबूजी के भाई. बूड़ोजी भी शहीद हुए।
- पाबूजी के भतीजे व बूड़ोजी के पुत्र रूपनाथ जी ने जींदराव खींची को मारकर अपने पिता व चाचा की मृत्यु का बदला लिया। रूपनाथ जी को भी लोकदेवता के रूप में पूजते हैं। राजस्थान में रूपनाथ जी के प्रमुख मंदिर कोलुमण्ड (फलौदी, जोधपुर) तथा सिम्भूदड़ा (नोखा मण्डी, बीकानेर) में है। हिमाचल प्रदेश में रूपनाथ जी को बालकनाथ नाम से भी जाना जाता है।
- पाबूजी की फड़ नायक जाति के भील भोपे रावण हत्था वाद्य यंत्र के साथ बाँचते हैं।
- फड़/पड़ - किसी भी महत्पूर्ण घटना या महापुरुष की जीवनी का कपड़े पर चित्रात्मक अंकन ही फड़/पड़ कहलाता है। फड़ का वाचन केवल रात्रि में होता है। फड़-वाचन के समय भोपा वाद्य यंत्र के साथ फड़ बाँचता है तथा भोपी संबंधित प्रसंग वाले चित्र को लालटेन की सहायता से दर्शकों को दिखाती है तथा साथ में नृत्य भी करती रहती हैं।
- राजस्थान में फड़ निर्माण का प्रमुख केन्द्र शाहपुरा (भीलवाड़ा)है। वहाँ का जोशी परिवार फड़ चित्रकारी में सिद्धहस्त है। शांतिलाल जोशी व श्रीलाल जोशी प्रसिद्ध फड़ चित्रकार हुए हैं। यह जोशी परिवार वर्तमान में 'द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका' तथा 'कलिंग विजय के बाद अशोक' विशय पर फड़ बना रहा है।
- सर्वाधिक फड़ें तथा सर्वाधिक लोकप्रिय/प्रसिद्ध फड़ पाबूजी की फड़ है।

- रामदेवजी की फड़ कामड़ जाति के भोपे रावण हत्था वाद्य यंत्र के साथ बाँचते हैं।

सबसे प्राचीन फड़, सबसे ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

FREE SAMPLE

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें- 8233195718, 9694804063, 9887809083, 8504091672,

- **लोक देवियाँ**

राजस्थान की लोक देवियाँ

करणी माता

- बीकानेर के राठौड़ शासकों की कुलदेवी। 'चूहों वाली देवी' के नाम से विख्यात। जन्म सुआप गाँव के चारण परिवार में।
- मंदिर - देशनोक (बीकानेर)।

करणी जी के काबे

- इनके मंदिर के चूहे । यहाँ सफेद चूहे के दर्शन करण जी के दर्शन माने जाते हैं।
- राव जोधा के समय मेहरानगढ़ दुर्ग की नींव करणी माता ने रखी।
- करणी माता की गायों का ग्वाला-दशरथ मेघवाल
- राव कान्ह ने इनकी गायों पर हमला किया ।
- महाराजा गंगासिंह ने इस मन्दिर में चांदी के किवाड़ भेंट किया ।
- इनके बचपन का नाम रिद्धुबाई. था।
- मठ – देवी के मन्दिर को मठ कहते हैं ।
- अवतार - जगतमाता
- उपनाम – काबा वाली माता, चूहों की देवी ।
- करणी जी की इष्ट देवी 'तेमड़ाजी' हैं । करणी जी के मंदिर के पास तेमड़ाराय देवी का भी मंदिर हैं ।करणी देवी का एकरूप 'सफेदचील' भी है ।
- 'नेहड़ी' नामक दर्शनीय स्थल है जो करणी माता के मंदिर से कुछ दूर स्थित है ।
- करणी जी के मठ के पुजारी चारण जाति के होते हैं।
- करणी जी के आशीर्वाद एवं कृपा से ही राठौड़ शासक 'रावबीका' नेबी का ने रमें राठौड़ वंश की स्थापना की थी । चौत्र एवं आश्विन माहकी नवरात्रि में मेला भरता हैं ।

जीण माता -

- चौहान वंश की आराध्य देवी । ये धंधराय की पुत्री एवं हर्ष की बहन थी। मंदिर में इनकी अष्टभुजी प्रतिमा है। मंदिर का निर्माण रैवासा (सीकर) में पृथ्वीराज चौहान प्रथम के समय राजा हट्टड़ द्वारा।
- जीणमाता की अष्टभुजा प्रतिमा एक बार में ढाई. प्याला मदिरा पान करती हैं ।इसे प्रतिदिन ढाई. प्याला शराब पिलाई. जाती हैं ।
- जीणमाता का मेला प्रतिवर्ष चैत्र और आश्विन माह के नवरात्रों में लगता है।
- जीणमाता तांत्रिक शक्तिपीठ हैं ।इसकी अष्टभुजी प्रतिमा के सामने घी एवं तेल की दो अखण्ड ज्योति सदैव प्रज्वलित रहतीहैं ।
- जीणमाता का गीत राजस्थानी लोक साहित्य में सबसे लम्बा हैं ।यह गीत कनफटे जोगियों द्वारा डमरू एवं सारंगी वाद्य की संगत में गाया जाता है।
- जीणमाता का अन्य नाम भ्रामरी देवी है ।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

कैला देवी -

- करौली के यदुवंश (यादववंश) की कुल देवी । इनकी आराधना में लागुरिया गीत गाये जाते हैं ।
- मंदिर :- त्रिकूटपर्वतकीघाटी (करौली) में। यहाँ नवरात्रा में विशाल लक्खी मेला भरता है।

कैलादेवी का लक्खी.........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय – 5

मेले और त्यौहार

राजस्थान के प्रमुख मेले

अजमेर के मेले

- ***पुष्कर मेला*** - *यह मेला पुष्कर (अजमेर) में कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक भरता है। यह राजस्थान का सबसे बड़ा सांस्कृतिक मेला/ सबसे बड़ा रंगीन/रंग बिरंगा / सर्वाधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन वाला मेला है। ख्वाजा साहब का उर्स - यह उर्स अजमेर में रज्जब माह की 1 से 6 तारीख तक भरता है। अढ़ाई दिन के झोपड़े में ।*
- ***कल्पवृक्ष मेला*** - *यह मेला मांगलियावास (अजमेर) में श्रावण मास की हरयाली अमावस्या को भरता है।*
- ***कार्तिक पशु मेला*** - *यह पशु मेला पुष्कर (अजमेर) में कार्तिक शुक्ल 8 से मार्गशीर्ष 2 तक भरता है।*

अलवर के मेले

- ***चंद्र प्रभु मेला*** - *यह मेला तिजारा, अलवर में फाल्गुन शुक्ला सप्तमी व श्रावण शुक्ला दशमी को भरता है।*
- ***नारायणी माता का मेला*** - *यह मेला बरवा डूंगरी सरिस्का (अलवर) में वैशाख शुक्ल एकादशी को भरता है।*

हनुमानजी का मेला - *यह मेला पांडुपोल (अलवर) में भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी को भरता है।*

- ***भृर्तहरि मेला*** - *यह मेला भृर्तहरि (महान योगी भृर्तहरि की तपो भूमि) पर अलवर में भाद्रपद शुक्ला अष्टमी को भरता है। यह कनफटे नाथों की तीर्थस्थली है ।*
- ***बिलारी माता मेला*** - *बिलारी माता का यह मेला बिलारी (अलवर) में चैत्र शुक्ला अष्टमी को भरता है।*

बाड़मेर के मेले

- ***रणछोड़राय का मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के खेड़ क्षेत्र में प्रतिवर्ष राधाष्टमी, माघ पूर्णिमा, बैशाख एवं श्रावण मास की पूर्णिमा व कार्तिक पूर्णिमा भादवा सुदी चतुर्दशी को भरता है।*
- ***मल्लीनाथ पशु मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के तिलवाड़ा क्षेत्र में चैत्र कृष्णा एकादशी से चैत्र शुक्ला एकादशी तक भरता है।*
- ***हल्देश्वर महादेव शिवरात्रि मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के पीपलूद (छप्पन की पहाड़ियों के बीच यह मारवाड़ का लघु माउन्ट आबू है।) में शिवरात्रि के अवसर पर भरता है।*
- ***रानी भटियाणी का मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के जसोल क्षेत्र में कार्तिक वदी पंचमी को भरता है।*
- ***नाकोड़ाजी का मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के नाकोड़ा तीर्थ मेवानगर में पोष कृष्ण दशमी को भरता है।*
- ***बजरंग पशु मेला*** *- यह मेला बाड़मेर जिले के सिणधरी क्षेत्र में मंगसर वदी तृतीया को भरता है।*

<u>बीकानेर जिले के मेले</u>

निर्जला ग्यारस मेला *- यह मेला बीकानेर जिले के लक्ष्मीनाथ मंदिर में ....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***“राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022”*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को*

मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 9

भाषा और साहित्य

राजस्थानी भाषा-

- वक्ताओं की दृष्टि से भारतीय भाषाओं में राजस्थानी भाषा का 7 वाँ स्थान तथा विश्व की भाषाओं में राजस्थानी भाषा का 16वाँ स्थान है।
- उद्योतन सुरी ने 8वीं शताब्दी में अपने ग्रंथ कुवलयमाला में 18 देशी भाषाओं में मरु भाषा को भी सम्मिलित किया था।

उद्भव-

- राजस्थानी भाषा का उद्भव शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ हैं । अर्थात् राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति शौरसेनी अपभ्रंश से मानी जाती है ।
- डॉ. एल.पी. टेस्सीटोरी राजस्थानी भाषा का उद्भव (उत्पत्ति) शौरसेनी अपभ्रंश से मानते हैं ।

डॉ. जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन एवं डॉ. पुरुषोत्तम मोनारिया राजस्थानी........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये

नोट्स आपकी **“राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022”** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9887809083, 9694804063,

FREE SAMPLE

राजस्थानी भाषा का वर्गीकरण-

1. सर जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन का वर्गीकरण-

- सरजॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन अपनी पुस्तक या ग्रंथ लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया के 9वें खण्ड में सन् 1912 में राजस्थानी भाषा का स्वतंत्र भाषा के रूप में वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत करने वाले प्रथम व्यक्ति हैं।
- सरजॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने राजस्थानी भाषा को 5 बोलियों में वर्गीकृत किया है जैसे-

1. पश्चिमी राजस्थानी बोली (मारवाड़ी)-
2. उत्तरी-पूर्वी राजस्थानी बोली-
3. मध्यपूर्वी राजस्थानी बोली
4. दक्षिण-पूर्वी राजस्थानी बोली
5. दक्षिणी राजस्थानी बोली

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

1. पश्चिमी राजस्थानी बोली (मारवाड़ी)-

- बोलने वालों की संख्या क्षेत्रफल की दृष्टि से पश्चिमी राजस्थानी बोली सबसे महत्वपूर्ण है।
- पश्चिमी राजस्थानी बोली में पूर्वी मारवाड़ी, उत्तरी मारवाड़ी, पश्चिमी मारवाड़ी, दक्षिणी मारवाड़ी बोली शामिल है।

2. उत्तरी-पूर्वी राजस्थानी बोली-

उत्तरी पूर्वी राजस्थानी बोली में मेवातीव अहीरवाटी बोली शामिल है।

अहीरवाटी-

अहीरवाटी बोली राजस्थान में अलवर जिलें के बहरोड़, मुण्डावर, किशनगढ़ के पश्चिमी भाग व कोटपूतली के उत्तरी भाग में....................

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 9887809083, 8504091672,

राजस्थान की राजव्यवस्था

अध्याय – 2

मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल की भूमिका और कार्य

- मुख्यमंत्री भारतीय राज्य की कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है ।
- वह राज्य विधानसभा का नेता होता है ।
- संविधान में मुख्यमंत्री की नियुक्ति और उसके निर्वाचन के लिए कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है। बस **अनुच्छेद 163** में लिखा है कि राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद होगा जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे।
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत की जाती है ।
- राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति या तो आमचुनाव के बाद करता है या फिर तब करता है , जब मुख्यमंत्री के त्याग पत्र देने के कारण उसका पद रिक्त हो जाता है ।
- मुख्यमंत्री पद के लिए संविधान में कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गयी है , लेकिन मुख्यमंत्री के लिए यह आवश्यक है कि वह राज्य विधानसभा का सदस्य हो ।
- राज्य विधानसभा का सदस्य न होने वाला व्यक्ति भी मुख्यमंत्री पद पर नियुक्त किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि वह 6 माह के भीतर राज्य विधानसभा का सदस्य निर्वाचित हो जाये ।
- 21 सितम्बर, 2001 को उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार किसी सजायाफ्ता को मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य माना जाएगा ।

मुख्यमंत्री के दायित्व

- मुख्यमंत्री का पहला कार्य मंत्रिपरिषद का निर्माण करना है ।

- वह मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संख्या निश्चित करता है और उसके लिए नामों की एक सूची तैयार करता है।
- मुख्यमंत्री राज्यपाल की औपचारिक स्वीकृती से

मंत्रियों के बीच विभागों का वितरण..........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9887809083, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

राजस्थान में मुख्यमंत्री

पं. हीरालाल शास्त्री

- 30 मार्च, 1949 को जब 22 देशी रियासतों का विलय कर राजस्थान का निर्माण किया गया तब जयपुर रियासत के पूर्व प्रधान मंत्री पं. हीरालाल शास्त्री को 30 मार्च 1949 को राज्य का प्रधानमंत्री मनोनीत किया गया | उन्होंने राजस्थान के प्रधानमंत्री के तौर पर 5 जनवरी 1951 तक कार्य किया | देश में संविधान के लागू होने के बाद उनके पद का नाम बदल कर मुख्यमंत्री कर दिया गया |

सी.एस. वेंकटाचारी

- हीरालाल शास्त्री को लेकर मतभेद पैदा हो गया और अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से उन्हें पद से हटा दिया गया । उनकी एवज में आई.सी.एस. अधिकारी श्री सी.एस. वेंकटाचारी को मुख्यमंत्री का कार्यभार दे दिया गया | उन्होंने 26 अप्रैल 1951 तक इस पद पर कार्य किया |

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

जय नारायण व्यास

जय नारायण व्यास को 26 अप्रैल 1951 को मुख्यमंत्री मनोनीत किया गया | उन्होंने प्रथम आम चुनाव का परिणाम आने तक कार्य किया . 3 मार्च 1952 तक वे पद पर....................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने

के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान के मुख्यमंत्री

क्र.	मुख्यमंत्री	कार्यकाल
1.	1. श्री हीरालाल शास्त्री	07.04.1949 - 05.01.1951
2.	2. श्री सी.एस. वेंकटाचारी	06.01.1951 - 25.04.1951
3.	3. श्री जयनारायण व्यास	26.04.1951 - 03.03.1952
4.	4. श्री टीकाराम पालीवाल	03.03.1952 - 31.10.1952
5.	श्री जयनारायणव्यास	01.11.1952 - 12.11.1954

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये

नोट्स आपकी **“राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022”** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 9887809083, 8504091672,

FREE SAMPLE

अध्याय – 4

राजस्थान लोक सेवा आयोग संगठन और भूमिका

- वर्ष 1923 में ली कमिशन ने भारत में एक संघ लोकसेवा आयोग की स्थापना की सिफारिश की थी।
- राजस्थान राज्य के गठन के समय कुल 22 प्रांतों में से मात्र 3 प्रांत-जयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर में ही लोकसेवा आयोग कार्यरत थे।
- रियासतों के एकीकरण के बाद गठित राजस्थान राज्य के तत्कालीन प्रबंधन ने 16 अगस्त, 1949 को एक अध्यादेश के अधीन राजस्थान लोकसेवा आयोग की स्थापना की।
- इस अध्यादेश का प्रकाशन राजस्थान के राजपत्र में 20 अगस्त 1949 को हुआ और इसी तिथि से अध्यादेश प्रभाव में आया ।
- इस अध्यादेश के द्वारा राज्य में कार्यरत अन्य लोकसेवा आयोग एवं लोकसेवा आयोग की तरह कार्यरत अन्य संस्थाएं बंद कर दी गयी।
- अध्यादेश में आयोग के गठन, कर्मचारीगण एवं आयोग के कार्यों से संबंधित नियम भी तय किये गये।
- आरंभिक चरण में आयोग में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य थे।
- राजस्थान के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सर एस.के. घोष को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- तत्पश्चात श्री देवी शंकर तिवारी एवं श्री एन.आर. चन्दोर कर की नियुक्ती सदस्यों के रूप में एवं संघ लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य श्री एस.सी. त्रिपाठी, आई.ई.एस की नियुक्ति अध्यक्ष के रूप में की गयी।

वर्ष 1951 में आयोग के कार्यों को नियमित करने के उद्देश्य से राजप्रमुख द्वारा..............

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)- 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय - 6

राजस्थान में पंचायती राज

- स्थानीय शासन 'महात्मा गाँधी' की संकल्पना राम राज्य या ग्राम स्वराज्य का परिष्कृत रूप है। गाँधीजी की इस संकल्पना को फलीभूत करने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्य सरकार को निर्देश दिए गए थे, जो 1993 में 73वें संविधान संशोधन के परिणामस्वरूप सम्भव हुआ।
- 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन 1993 के तहत स्थानीय शासन भारतीय परिसंघीय व्यवस्था में तीसरे स्तर की सरकार को सामने ला खड़ा किया।
- 'पंचायती राज' और 'नगरपालिका प्रणाली' को संवैधानिक अस्तित्व प्राप्त करने में एक लम्बा संघर्ष करना पड़ा।
- वर्ष 1956 में गठित बलवन्त राय मेहता समिति ने सर्वप्रथम पंचायती राज को स्थापित करने की सिफारिश की जिसे स्वीकार कर लिया गया साथ ही सभी राज्यों को इसे क्रियान्वित करने के लिए कहा गया।
- सर्वप्रथम राजस्थान के नागौर जिले में 2 अक्टूबर 1959 को पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने पंचायती राज की नींव रखी और उसी दिन इसे सम्पूर्ण राज्य (राजस्थान) में लागू कर दिया गया।
- किन्तु वाँछित सफलता प्राप्ति में कमी ने इस पर गम्भीरता से विचार करने के लिए मजबूर किया। अनेक समितियों का गठन किया गया, जिन्होंने अपनी सिफारिशों से पंचायती राज को मजबूती प्रदान की।

पंचायती राज व्यवस्था समितियाँ		
1.	बलवंत राय मेहता समिति	1957

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2.	अशोक मेहता समिति	1977
3.	जी.वी.के. राव समिति	1985
4.	एल. एम. सिंघवी समिति	1986
5.	संथानम समिति	1962
6.	सादिक अली समिति	1964

पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा

- वर्ष, 1989 में तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री राजीव गाँधी ने पंचायतों के सुधार व सशक्तिकरण में विशेष रुचि ली तथा एल. एम. सिंघवी समिति और थुमन समिति की सिफारिशों के आधार पर लोकसभा में 64वाँ संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया। जिसे लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया लेकिन राज्यसभा द्वारा अस्वीकार कर दिए जाने के कारण विधेयक समाप्त हो गया।

तत्पश्चात्, वर्ष 1992 में पंचायत सम्बन्धी प्रावधान के लिए प्रधानमन्त्री पी. वी. नरसिम्हा राव द्वारा 73वाँ संविधान संशोधन विधेयक संसद में लाया गया, जिसे लोकसभा एवं राज्यसभा ने क्रमश: 22 एवं 23 दिसम्बर, 1992 को......................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022" *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

एक्स्ट्रा टॉपिक

उच्च न्यायालय

- भारत में कुल 25 उच्च न्यायालय हैं जिनका अधिकार क्षेत्र कोई राज्य विशेष या राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के एक समूह होता हैं ।
- वर्तमान समय में पंजाब तथा हरियाणा के लिए एक ही उच्च न्यायालय हैं और असम, नागालैण्ड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश के लिए एक उच्च न्यायालय हैं ।
- मुम्बई उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार महाराष्ट्र और गोवा राज्यों तथा दमन और दीव एवं दादरा और नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों पर हैं ।
- इसी प्रकार कलकत्ता उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, मद्रास उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार पाण्डिचेरी तथा केरल उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र पर हैं ।
- सात संघशासित राज्यों में से केवल दिल्ली ही एक ऐसा संघ राज्य क्षेत्र हैं , जिसका अपना उच्च न्यायालय हैं ।
- उच्च न्यायालय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214, अध्याय 5 व भाग 6 के अंतर्गत स्थापित किये गये हैं । न्यायिक प्रणाली के भाग के रूप में, उच्च न्यायालय राज्य विधायिकाओं और अधिकारी के संस्था से स्वतंत्र हैं ।
- उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय के साथ, जो उनके अधीनस्थ होते हैं, राज्य के प्रमुख दीवानी न्यायालय होते हैं ।
- उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबन्धित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती हैं ।
- इसके अलावा, राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

गठन

- प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा ऐसे अन्य न्यायाधीशों को मिलाकर किया जाता है, जिन्हें राष्ट्रपति समय-समय पर नियुक्त करें।

न्यायाधीशों की योग्यता

- अनुच्छेद 217 के अनुसार कोई व्यक्ति किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य तब होगा , जब वह
- भारत का नागरिक हो और 62 वर्ष की आयु पूरी न की हो।

कम से कम 10 वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो। न्यायिक पद धारण करने की अवधि की गणना करने में वह अवधि भी सम्मिलित की जाएगी , जिसके दौरान कोई व्यक्ति पदधारण करने के पश्चात किसी उच्च न्यायालय का.........................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान Second Grade (वरिष्ठ अध्यापक)– 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 9887809083, 8504091672,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)

U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8233195718, 8504091672, 9694804063, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/